स्कूल के सवाल ज़िंदगी के सवालों से फर्क क्यों..... 15

"ऐसा कैसे हुआ हमारे देश में कि बहुत सारे सवाल जो ज़िंदगी से ताल्लुक रखते हैं कुछ खोजने को प्रेरित करते हैं, मन में तो पैदा होते हैं लेकिन हम यह समझते हैं कि ये स्कूल के प्रश्न नहीं हैं; हम यह मान लेते हैं कि इम्तहान में तो आएगा नहीं इसलिए इन्हें समझने की आवश्यकता नहीं है।" हाल में वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर यशपाल ने भोपाल स्थित 'भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स सभागार' में व्याख्यान दिया। व्याख्यान 'शिक्षा और विज्ञान' विषय पर केंद्रित था। जिसमें उन्होंने काफी गहराई से हमारी शिक्षा व्यवस्था की जांच पड़ताल की। इसी व्याख्यान के संपादित अंश।

नींद, सुलझी अनसुलझी पहेली 29

एक इंसान अपनी ज़िंदगी के 20-30 साल नींद में गुजारता है। तो आखिर नींद की कुछ ज़रूरत तो होगी। यही सवाल वैज्ञानिकों को लगातार परेशान करता रहा है। हालांकि अभी पक्के तौर पर कोई थ्योरी देना संभव नहीं हो पाया है लेकिन फिर भी कुछ दिशाएं उभर रही हैं जैसे याददाश्त का स्थापन, न्यूरोट्रांसमिटर का उत्पादन आदि। नींद की विभिन्न अवस्थाओं के विश्लेषण व नए शोध से उठ रहे सवालों पर चर्चा।

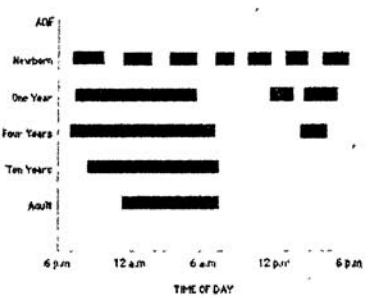

फुटबॉल कार्बन 43

कुछ समय बाद पाठ्य पुस्तकों में यह बात आ जाएगी कि हीरे और ग्रेफाइट के अलावा कार्बन का एक और शुद्ध रूप प्रकृति में मौजूद है – यह है C_{60} या फुटबॉल कार्बन। बिल्कुल फुटबॉल की तरह 12 पंचभुज और 20 षट्भुज से मिलकर बनी रचना। इसकी खोज करने वाले वैज्ञानिकों को 1995 में रसायन शास्त्र का नोबेल पुरस्कार भी मिल चुका है।

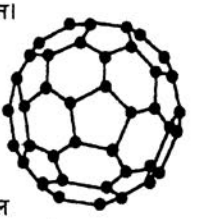

लेकिन यह पूरा मामला किसी और चीज़ की खोज करने के लिए शुरू हुआ था, और उन्हें मिल गया कुछ और। फिर इसके बाद चला इसको मान्यता दिलाने का संघर्ष। शुरुआत में कुछ भी आसान नहीं था। इस पर हाल ही में प्रकाशित दो किताबों की निबंधात्मक समीक्षा के साथ इसकी खोज की कहानी।

इस अंक में

आपने लिखा.....	2	चिंपैंज़ी.....	56
अंडे, टैडपोल और बना मेंढक.....	7	रोशनी और मुर्गी का अंडा.....	57
स्कूल के सवाल ज़िंदगी के.....	15	रोज़गार-2.....	64
नींद, सुलझी अनसुलझी पहेली.....	29	क्यों पढ़ाते थे वैसे.....	73
ज़रा सिर तो खुजलाइए.....	40	वह आदमी जो चमत्कार.....	83
फुटबॉल कार्बन.....	43	मछली...अरे नहीं.....	96